प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 19 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी सिद्धि अपने अहं के सम्पूर्ण त्याग में है। जहाँ वह शुद्ध समर्पण के उदात्त भाव से प्रेरित होकर अपने 'स्व' का त्याग करने को प्रस्तुत होता है वहीं उसके व्यक्तित्व की महानता परिलक्षित होती है। साहित्यानुरागी जब उच्च साहित्य का रसास्वादन करते समय स्वयं की सत्ता को भुलाकर पात्रों के मनोभावों के साथ एकत्व स्थापित कर लेता है तभी उसे साहित्यानन्द की दुर्लभ मुक्तामणि प्राप्त होती है। भक्त जब अपने आराध्य देव के चरणों में अपने 'आप' को अर्पित कर देता है और पूर्णतः प्रभु की इच्छा में अपनी इच्छा को लय कर देता है तभी उसे प्रभु–भक्ति की अलभ्य पूँजी मिलती है। यह विचित्र विरोधाभास है कि कुछ और प्राप्त करने के लिए स्वयं को भूल जाना ही एकमात्र सरल और सुनिश्चित उपाय है। यह अत्यन्त सरल दिखने वाला उपाय अत्यन्त कठिन भी है। भौतिक जगत में अपनी क्षुद्रता को समझते हुए भी मानव–हृदय अपने अस्तित्व के झूठे अहंकार में डूबा रहता है। उसका त्याग कर पाना उसकी सबसे कठिन परीक्षा है। किन्तु यही उसके व्यक्तित्व की चरम उपलब्धि भी है। दूसरे का निःस्वार्थ प्रेम प्राप्त करने के लिए अपनी इच्छा–आकांक्षाओं और लाभ–हानि को भूलकर उसके प्रति सर्वस्व समर्पण ही एकमात्र माध्यम है। इस प्राप्ति का अनिवर्चनीय सुख वही चख सकता है जिसने स्वयं को देना–लुटाना जाना हो। इस सर्वस्व समर्पण से उपजी नैतिक और चारित्रिक दृढ़ता, अपूर्व समृद्धि और परमानन्द का सुख वह अनुरागी चित्त ही समझ सकता है जो– 'ज्यों–ज्यों बूड़े श्याम रंग, त्यों–त्यों उज्जवल होय।'

1. मानव जीवन की सर्वश्रेष्ठ सिद्धि क्या है? 2
उत्तर : मानव जीवन की सबसे बड़ी सिद्धि अपने अहं के सम्पूर्ण त्याग में है। जब मनुष्य शुद्ध समर्पण के उदात्त भाव से प्रेरित होकर अपने स्व का त्याग करने को तत्पर हो जाता है, तब उसके व्यक्तित्व की महानता परिलक्षित होती है।

2. दुर्लभ मुक्तामणि किसे कहा गया है और क्यों? 2
उत्तर : 'दुर्लभ मुक्तामणि' का शाब्दिक अर्थ है– मुश्किल से मिलने वाली पूँजी या रत्न। जब साहित्य का प्रेमी उच्च साहित्य का रसास्वादन करते हुए, अपनी सत्ता को भुलाकर, पात्रों के मनोभावों के साथ एकत्व स्थापित कर लेता है, तब उसे साहित्य के आनन्द की मुक्तामणि अर्थात् असीम आनन्द प्राप्त होता है।

3. विरोधाभास कहाँ है और कैसे? 2
उत्तर : ऐसा कहा गया है कि असली आनन्द को पाने के लिए अपने आप से ऊपर उठ जाना, स्व का, अहं का त्याग करना आवश्यक है। यही विरोधाभास है कि कुछ और प्राप्त करने के लिए स्वयं को भूल जाना होता है। स्वयं को ही भूल जायेंगे तो आनन्द किसे प्राप्त होगा? यह सरल दिखने वाला उपाय वास्तव में अत्यन्त कठिन है।

4. सर्वस्व समर्पण का क्या महत्व है? 2
उत्तर : भौतिक जगत में अपनी क्षुद्रता को समझते हुए भी मानव अपने अस्तित्व के झूठे अहंकार में डूबा रहता है। उसका त्याग कर पाना, दूसरे का निःस्वार्थ प्रेम प्राप्त करने के लिए अपनी इच्छा–आकांक्षाओं, लाभ–हानि को भूल जाना ही सर्वस्व समर्पण है।

5. गद्यांश में से दो सामासिक शब्द छाँटकर लिखिए। 1
उत्तर : प्रभु–शक्ति, साहित्यानन्द।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
उत्तर : सर्वस्व समर्पण।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द से पद बनने को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 1
उत्तर : वर्णों का सार्थक व स्वतंत्र समूह शब्द कहलाता है। जैसे– भारत।
शब्द का व्यावहारिक रूप अर्थात् व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त रूप पद कहलाता है।
जैसे– अनेकता में एकता भारत की विशेषता है। यहाँ 'भारत' शब्द पद है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. हम भारत के निवासी हैं और हमें अपनी संस्कृति पर गर्व है। (सरल वाक्य में)
   उत्तर : हम भारत के निवासियों को अपनी संस्कृति पर गर्व है।
2. वह ज्ञानी होने के साथ-साथ घमंडी भी है। (संयुक्त वाक्य में)
   उत्तर : वह ज्ञानी है किन्तु घमंडी है।
3. सच बोलने वाले की सदा जीत होती है। (मिश्र वाक्य में)
   उत्तर : जो सच बोलता है उसकी सदा जीत होती है।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए- $1 \times 2 = 2$
   शरणागत, चौराहा
   उत्तर : शरणागत- शरण में आया हुआ (तत्पुरुष समास)
   चौराहा- चार राहों का समूह (द्विगु समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
   सौ वर्षों का समूह, पुरुषों में उत्तम है जो
   उत्तर : सौ वर्षों का समूह- शताब्दी (द्विगु समास)
   पुरुषों में उत्तम है जो- पुरुषोत्तम (कर्मधारय समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मोर के पास सुन्दर पंख होते हैं।
   उत्तर : मोर के पंख सुन्दर होते हैं।
2. मेरे को कहीं से खीर की खुशबू आ रही है।
   उत्तर : मुझे कहीं से खीर की खुशबू आ रही है।
3. हमारा लक्ष्य देश की प्रगति होनी चाहिए।
   उत्तर : देश की प्रगति हमारा लक्ष्य होना चाहिए।
4. उसकी तिजोरी में सोने भरे पड़े हैं।
   उत्तर : उसकी तिजोरी में सोना भरा पड़ा है।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।
$1 \times 4 = 4$

1. भारतीय खिलाड़ियों द्वारा कुश्ती में जीत हासिल करना ..... खेल है।
   उत्तर : बाएँ हाथ का (बाएँ हाथ का खेल)
2. बच्चों का विवाह तभी करना चाहिए जब वे ..... खड़े हो जाएँ।
   उत्तर : अपने पैरों पर (अपने पैरों पर खड़े होना)
3. जब बच्चों को घर से दूर रखना पड़ता है तब ..... मालूम होता है।
   उत्तर : आटे-दाल का भाव (आटे-दाल का भाव मालूम होना)
4. पुलिस की एक गोली ने आतंकी का ..... कर दिया।
   उत्तर : काम तमाम (काम तमाम करना)

खण्ड-ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. लेखक ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फायदा उठाया?
   उत्तर : लेखक कम पढ़कर भी उत्तीर्ण होते गए और बड़े भाई साहब दिन भर किताबें लेकर बैठने पर भी लगातार दो बार फेल हो गए। अब उनका व्यवहार थोड़ा नरम पड़ गया, जिसका अनुचित लाभ उठाते हुए लेखक स्वच्छन्दता से सारा समय पतंगबाजी और गुल्ली-डण्डे को भेंट करने लगे। किन्तु अब भी यह सब भाई साहब की आँख बचाकर ही होता था क्योंकि लेखक यह नहीं चाहते थे कि भाई साहब अपमानित महसूस करें।
2. वामीरो ने ततांरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया और क्यों?
   उत्तर : ततांरा और वामीरो की प्रथम मुलाकात समुद्र तट पर हुई थी जब ततांरा थकान मिटाने के लिए प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द ले रहा था और वामीरो मधुर गायन में निमग्न थी। अचानक वामीरो का गीत बन्द हो जाने पर ततांरा उससे गाने की जिद करने लगा, तब एक अनजान युवक को अपने सामने याचना करते देख वामीरो ने बेरुखी से कहा कि उसे गाँव का नियम मालूम होना चाहिए, जिसके अनुसार दो भिन्न गाँवों के युवक-युवती की परस्पर बातचीत पर प्रतिबंध है।
3. जापान की टी-सेरेमनी में कितने लोगों को प्रवेश दिया जाता था और क्यों?
   उत्तर : जापान की विशेष टी-सेरेमनी में एक समय में केवल तीन लोगों को प्रवेश दिया जाता था, क्योंकि यह ध्यान की एक प्रक्रिया थी जिसमें शांति बनाए रखना मुख्य बात थी। इसका आयोजन पूर्ण प्राकृतिक वातावरण में किया जाता था और वह स्थान जीवन की भाग-दौड़, शोर-शराबे से दूर होता था। चाय पिलाने के बहाने से लोगों को मानसिक शांति प्रदान की जाती थी। वास्तव में यह टी-सेरेमनी ध्यान की ही एक प्रक्रिया थी।
4. वजीर अली ने कारतूस कैसे हासिल किए?
   उत्तर : वजीर अली एक जांबाज भारतीय सिपाही था। अंग्रेजों के खिलाफ उसके मन में नफरत कूट-कूटकर भरी थी। वह किसी भी तरह भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद कराना चाहता था। वह लंबे समय से कर्नल की आँखों में धूल झोंक छिपता फिर रहा था। वजीर अली ने कर्नल की मदद करने की बात कहकर धोखे से दस कारतूस हासिल कर लिए।

8. वजीर अली किस प्रकार कर्नल के हाथों से कारतूस लेने में सफल हुआ? इससे उसके चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है? 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : वजीर अली भारत का एक जांबाज सिपाही था। उसके दिल में अंग्रेजों के लिए नफरत कूट-कूटकर भरी थी। वह किसी भी कीमत पर अपने देश को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद कराना चाहता था। जब उसे अवध के तख्त से हटाकर बनारस भेज दिया गया तब उसने अंग्रेज वकील से शिकायत की, किन्तु उसने वजीर अली को ही भला-बुरा कह दिया। गुस्से में भरकर उसने वकील का कत्ल कर दिया और तब से घागरा के जंगलों में छिपता हुआ, अपनी ताकत बढ़ाकर अंग्रेजों को

भारत से बाहर करने की कोशिश कर रहा था। यह जानते हुए कि कर्नल उसे गिरफ्तार करने के लिए जंगल में खेमा लगाए बैठा है, वह अकेला उसके खेमे में गया, वजीर अली की गिरफ्तारी को बहुत मुश्किल बताया, उन्हीं के हाथों से दस कारतूस लिए और जाते–जाते अपना परिचय भी दे गया। इससे पता चलता है कि वजीर अली एक साहसी, निडर, स्वाभिमानी व जांबाज देशभक्त था जो देश को स्वतंत्र कराने के लिए दृढ़ संकल्पित था।

अथवा

"आज जो बात थी वह निराली थी।" पाठ 'डायरी का एक पन्ना' के आधार पर इस कथन को 80–100 शब्दों में सिद्ध कीजिए।

उत्तर : 26 जनवरी, 1930 को गुलाम भारत में पहली बार स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। 26 जनवरी, 1931 को उसकी पुनरावृत्ति मनाई जा रही थी और कोलकाता में इसके लिए विशेष प्रबन्ध किए गए थे। सभी बाजारों, मकानों को सजाया गया था, राष्ट्रीय झण्डे लगाए गए थे। सब ओर उत्साह और नवीनता दिखाई दे रही थी। जगह–जगह से लोग टोलियाँ बनाकर, जुलूस निकाल रहे थे, वन्दे मातरम बोल रहे थे, झण्डा फहराने की कोशिश जारी थी। पुलिस के कड़े प्रबन्ध के बावजूद मैदानों में सभाएँ हो रही थीं तथा स्वतंत्रता के घोषणा पत्र पढ़े जा रहे थे। स्त्री–पुरुष एक साथ मिलकर पुलिस की लाठियों का सामना करते हुए आगे बढ़ रहे थे। सबके मिले–जुले प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि संगठित होकर, दृढ़ निश्चय के साथ प्रयास किए जाएं, तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. कवि 'बिहारी' ने भक्ति के नाम पर किए जाने वाले आडम्बरों का वर्णन किस प्रकार किया है?

   उत्तर : कवि 'बिहारी' एक रसिक कवि माने जाते हैं, किन्तु उन्होंने श्रृंगार के साथ–साथ भक्तिपरक दोहों की रचना भी की है। कवि ने अपने एक दोहे में भक्ति के नाम पर किए जाने वाले आडम्बरों का विरोध करते हुए कहा है कि माला जपना, प्रभु नाम के वस्त्र पहनना, तिलक लगाना यदि केवल दिखावा है तो इससे भक्ति मार्ग में कोई सफलता नहीं मिल सकती, यदि मन कच्चा है तो इस तरह के प्रयास करना व्यर्थ है क्योंकि ईश्वर तो सच्चे मन में ही बसते हैं अर्थात् सच्चे मन से याद करने पर ही प्रभु की प्राप्ति होती है।

2. कविता 'कर चले हम फिदा' के अंतर्गत सिर पर कफन बाँधने की बात क्यों कही गई है?

   उत्तर : कविता 'कर चले हम फिदा' एक ऐसा देशभक्ति गीत है जिसमें उस सैनिक की भावनाओं को शब्द दिए गए हैं जो देश पर कुर्बान होने जा रहा है। उसे अपनी मौत की परवाह नहीं है किन्तु यह चिन्ता सता रही है कि उसके बाद देश की रक्षा कौन करेगा? अतः वह अन्य देशवासियों से अर्थात् हमसे 'सिर पर कफन बाँधने' अर्थात् देश पर कुर्बान होने के लिए तैयार होने को कह रहा है ताकि हमारे देश को वीर जवानों की कमी कभी महसूस न हो।

3. कैसे कह सकते हैं कि 'तोप' कविता में वर्णित तोप निस्तेज हो चुकी है?

   उत्तर : तोप कविता में 1857 की उस तोप का वर्णन है जो कभी शक्तिशाली थी, अनेक वीरों को उसने मौत के घाट उतारा था, किन्तु अब तोप के ऊपर बच्चे घुड़सवारी करते हैं और पक्षी उस पर बैठकर चहचहाते हैं, यहाँ तक कि उसके अंदर भी चले जाते हैं जिससे पता चलता है कि तोप निस्तेज हो चुकी है।

4. मनुष्यता कविता में पशु प्रवृत्ति किसे कहा गया है?

   उत्तर : मनुष्यता कविता में स्वार्थी प्रवृत्ति को पशु प्रवृत्ति कहा गया है अर्थात् केवल अपना पेट भरना और परहित में न सोचना। कवि का कहना है कि ऐसे स्वार्थी लोगों को मनुष्य नहीं माना जा सकता क्योंकि मनुष्य वह है जो सभी के हितों का ख्याल करते हुए अपने जीवन व मृत्यु को महान बनाये।

10. कबीर के दोहे नीति व भक्ति के सारगर्भित दोहे हैं। 80–100 शब्दों में सिद्ध कीजिए। 5

उत्तर : संत कवि 'कबीरदास जी' हिंदी साहित्य के भक्त कवियों में से एक हैं। इन्होंने अपने जीवन में बहुत भ्रमण किया व अपने अनुभवों से जो ज्ञान प्राप्त किया, उसे दोहों के माध्यम से जन–जन तक पहुँचाया। नीति व भक्ति कबीर के काव्य के मुख्य विषय रहे हैं। कबीर ने हमें मीठी वाणी बोलने का महत्व बताया है तथा अपने स्वभाव को निर्मल बनाने का विचित्र उपाय बताते हुए निन्दक को पास रखने की सलाह दी है। कबीर का मानना है कि हमारा अहंकार ही ईश्वर प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा है। यदि हम प्रत्येक जड़–चेतन के प्रति प्रेमभाव रखें तो ईश्वर प्राप्ति सम्भव है, इसी सन्दर्भ में उन्होंने शास्त्र ज्ञान की आलोचना की है, क्योंकि वह अहंकार को पैदा कर सकता है, जबकि अनुभवों से प्राप्त ज्ञान हमें सबके करीब लाता है। कबीर के अनुसार ईश्वर का वास तो कण–कण में है, हमारे रोम–रोम में है, किन्तु हम मृग की भाँति जीवन भर बाहर उसकी तलाश में भटकते रहते हैं। यदि हम सर्वत्र ईश्वर के दर्शन कर पायें तो जीवन सफल है अन्यथा ईश्वर से बिछुड़कर या उसे भुलाकर तो जीना ही सम्भव नहीं है।

अथवा

'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के माध्यम से प्रकृति के अलौकिक दृश्यों का सजीव वर्णन किया गया है। 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि 'सुमित्रानन्दन पंत' जी ने 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के माध्यम से पर्वतीय क्षेत्र के पल–पल बदलते दृश्यों का अद्भुत वर्णन किया है। कवि ने कल्पना की है कि वहाँ दूर तक, गोल आकार के विशाल पर्वत दिखाई दे रहे हैं, जिनकी परछाईं नीचे तालाब में पड़ रही है, मानो वे पर्वत हजारों पुष्प

रूपी आँखों से तालाब रूपी दर्पण में अपनी छवि को निहार रहे हों। पर्वतों पर लगे ऊँचे वृक्ष आकाश को छूते-से प्रतीत हो रहे हैं, मानो वे पर्वतों के हृदय से निकल रही ऊँची-ऊँची आकांक्षाएँ हों। इस मनोरम दृश्य में चार चाँद लगाते हुए झरने बह रहे हैं जो दूर से देखने में मोती की लड़ियों-सा सौन्दर्य उत्पन्न कर रहे हैं। उनकी ध्वनि सुनकर लगता है, मानो वे पर्वतों की प्रशंसा के गीत गा रहे हों। अचानक यह सम्पूर्ण दृश्य बादलों व मूसलाधार वर्षा द्वारा ढक लिया जाता है, केवल झरनों का शोर, बादल व तालाब से उठता धुआँ दिखाई दे रहा है। इस अलौकिक दृश्य को कवि ने इन्द्र देवता द्वारा रचा हुआ जादू का खेल कहकर इस वर्णन को अत्यधिक रोमांचक बना दिया है।

11.

1. पाठ 'सपनों के से दिन' में वर्णित लेखक का बचपन आज के बचपन से कैसे भिन्न है? अपने अनुभव के आधार पर 60-70 शब्दों में समझाइये। 3

   उत्तर : अधिकांश बच्चों का बचपन हँसते-खेलते कब बीत जाता है, पता भी नहीं चलता। बचपन की बहुत-सी बातें हम भूल जाते हैं, कुछ धुँधली यादें रह जाती हैं और कुछ बातें ऐसी भी होती हैं जो दिल पर अमिट छाप बना लेती हैं। पाठ 'सपनों के से दिन' में लेखक ने अपने बचपन की ऐसी ही कुछ खट्टी-मीठी यादों को कलमबद्ध किया है, जैसे- बिना जाति, धर्म की परवाह किए दोस्तों के साथ खेलना, तालाब में नहाना, रेत में लोट-पोट होना, अवकाश कार्य की योजनायें बनाते रहना और अन्त में काम न करके अध्यापकों से मिलने वाले दण्ड के लिए तैयार रहना। ग्रीष्मावकाश में ननिहाल जाकर उनके लाड़-प्यार के मजे लूटना व अधिकांशतः बेमन से विद्यालय जाना। आज का बचपन लेखक के बचपन से काफी भिन्न है। पढ़ाई का दबाव ज्यादा होने के कारण बचपन की उम्र बहुत कम हो गई है। प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, खेल के मैदानों की जगह कम्प्यूटर व मोबाइल ने ले ली है। अध्यापकों की मार का डर खत्म होने के कारण बचपन अनुशासनहीन हो गया है।

2. टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात कब और क्यों करी? 60-70 शब्दों में समझाइये 3

   उत्तर : टोपी और इफ्फन का पारिवारिक वातावरण और मान्यताएँ बिल्कुल अलग थीं। टोपी को इफ्फन के घर जाना, खास तौर पर उसकी दादी के पास बैठना, उनकी बातें व कहानियाँ सुनना बहुत अच्छा लगता था। उनकी भाषा में उसे माँ की झलक दिखाई देती थी। जो बोली उसकी माँ बोलती थी उसे वह बेहत पसंद थी, जबकि उसकी दादी ऐसी बोली बोलने पर ऐतराज करती थी। इसके अतिरिक्त उसकी अपनी दादी कभी उससे प्यार से बात नहीं करती थी और उसकी शिकायत करके माँ से उसको पिटवा देती थीं। इन्हीं सब कारणों से टोपी ने इफ्फन से भोलेपन में दादी बदल लेने की बात कही।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **टेलीविजन समाचार**
   ✲ समाचार का स्वरूप ✲ महत्त्व और गुण-दोष ✲ निष्कर्ष
2. **पुस्तकालय**
   ✲ अच्छे पुस्तकालय की पहचान ✲ लाभ ✲ अधिकाधिक उपयोग।
3. **स्वच्छता आंदोलन**
   ✲ क्यों ✲ बदलाव ✲ हमारा उत्तरदायित्व।

उत्तर :

1. टेलीविजन समाचार

आधुनिक युग में दूरदर्शन, केबल और डिश के माध्यम से पल-पल का समाचार जनता तक पलक झपकते पहुँच जाता है। टेलीविजन के पर्दे पर समाचार को सजीव रूप में देखा जा सकता है। आज कई खबरिया चैनल हैं जो सातों दिन, चौबीसों घंटे खबर को प्रसारित करते रहते हैं। ताजा घटनाक्रम को ब्रेकिंग न्यूज़ के माध्यम से जनता को जीवन्त ही दिखाया जाने लगा है। अब हमें समाचार पाने के लिए किसी विशेष समय या दूसरे दिन तक इंतजार नहीं करना होता। रिमोट के एक बटन दबाने से ही सारी दुनिया की खबर हाजिर हो जाती हैं। लेकिन कभी-कभी ये चैनल भी भ्रमपूर्ण समाचार को मिन्टों में सभी जगह फैला देते हैं तो कभी किसी विशेष राजनीतिक दल को दूध का धुला और दूसरे को भ्रष्टाचारी साबित करने में लग जाते हैं। इससे जनमानस की राय प्रभावित हो जाती है। अतः इनका कर्त्तव्य है कि समाचार-विश्लेषण में निष्पक्षता, मर्यादा और संयम का साथ न छोड़े, जनहित तथा जागरूकता के समाचार प्रसारित करें।

2. पुस्तकालय

पुस्तकालय मौन अध्ययन का स्थान है जहाँ हम मौन होकर ज्ञानार्जन करते हैं। पुस्तकों से सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त होता है। कहा भी गया है "पुस्तकालय ज्ञान का आधार है, श्रेष्ठ साहित्य का विपुल भंडार है।"

यह प्रमुख साधन है ज्ञान वृद्धि का, एकमात्र उपाय है ज्ञान शुद्धि का। किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती है। इंसान की हर मुश्किल परिस्थिति में यह सहायक होती है, उसकी सोच को विस्तृत करती है। यहाँ एक ही स्थान पर विभिन्न विषयों, भाषाओं, महापुरूषों, वैज्ञानिकों, धर्मों, आविष्कारों, किस्से, कहानियों की किताबें उपलब्ध रहती हैं। हम सारी किताबें खरीदकर नहीं पढ़ सकते तो यहाँ से अपनी रूचि के अनुसार पुस्तकें लेकर पढ़ सकते हैं। इतिहास और पुरातत्व की बहुमूल्य पुस्तकों को पढ़ने की जगह पुस्तकालय ही होती है। विद्यार्थियों और युवा प्रतिभाओं के विकास के लिए पुस्तकालय अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को अच्छे-अच्छे और संपन्न पुस्तकालयों की स्थापना करनी चाहिए।

3. स्वच्छता आंदोलन

स्वच्छता अभियान को आंदोलन के रूप में जन-जन तक पहुँचाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। उन्होंने 2 अक्टूबर, 2014 को महात्मा गाँधी की 145 वें जन्मदिन के अवसर पर आधिकारिक तौर पर राजघाट में 'स्वच्छता आंदोलन' की घोषणा की। इसके अंतर्गत खुले में शौच नहीं करना, हाथ से मल की सफाई रोकना, ठोस और तरल कचरे का पुनः उपयोग, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था अनुकूल कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। आज स्वच्छता के प्रति लोगों का नजरिया बदला है। छोटे-छोटे बच्चों ने तो इस अभियान को अपनी जिन्दगी का हिस्सा ही बना डाला है। फिर भी कई जगह गंदगी और कूड़े के ढ़ेर आज भी मुँह चिढ़ाते नजर आते हैं। हम सभी भारतीयों को स्वच्छता आंदोलन को एक मिशन का रूप देकर चलाना होगा। सभी अपनी जिम्मेदारी को समझे और पूरा करें तभी यह स्वच्छता आंदोलन सफल होगा।

13. सर्व शिक्षा अभियान के प्रोत्साहन के लिए विद्यालय में शिक्षण की विशेष व्यवस्था करवाने की अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
माँ विद्या निकेतन विद्यालय
नई दिल्ली।

विषय- सर्व शिक्षा अभियान के प्रोत्साहन की व्यवस्था हेतु।

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय का दसवीं कक्षा का छात्र हूँ और आपसे प्रार्थना करना चाहता हूँ कि सर्व शिक्षा अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यालय में शिक्षण की उचित व्यवस्था करें।

महोदय, हम सब जानते हैं कि जब तक जन-जन शिक्षित नहीं होगा, तब तक देश का सर्वांगीण विकास सम्भव नहीं है। मैं चाहता हूँ कि हम छात्र मिलकर शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गरीब बस्तियों में जाएं तथा विद्यालय में उनके लिए सायंकालीन शिक्षा की व्यवस्था निःशुल्क करें। यह प्रयास समाज के उत्थान के लिए एक अच्छा प्रयास सिद्ध हो सकता है।

मुझे आशा है, आप इस अनुरोध पर विचार करेंगे व शीघ्र ही इसके लिए उचित व्यवस्था करने में सहयोग देंगे।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र,
महेश

दिनांक : 09 अक्टूबर, 2019

अथवा

किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखकर शहर में बढ़ती असुरक्षा पर लेख छापने का अनुरोध कीजिए।

उत्तर :

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
सेवा में,
सम्पादक महोदय,
दैनिक समाचार-पत्र,
साकेत विहार, नई दिल्ली।
दिनांक : 06 जुलाई, 2019

विषय- बढ़ती असुरक्षा पर लेख का अनुरोध।

आदरणीय महोदय,

मैं दिल्ली शहर का रहने वाला एक जिम्मेदार नागरिक हूँ। आपके समाचार-पत्र का मैं पिछले दस वर्षों से नियमित पाठक रहा हूँ। यह समझते हुए कि आपका समाचार-पत्र पर्याप्त प्रचलित है, आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि आप शहर में बढ़ती असुरक्षा के कारणों, दुष्परिणामों व उपायों के संबंध में नियमित रूप से लेख प्रकाशित करें। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होगी, वे सचेत रहेंगे व अपराधों से लड़ने या उनका निवारण करने की ओर अग्रसर होंगे।

आशा है, आप इस विषय की गंभीरता को समझेंगे व मेरे अनुरोध को स्वीकार करते हुए कार्य करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय
राम सिंह

14. विद्यालय में भवन निर्माण का कार्य चल रहा है। प्रधानाचार्य की ओर से छात्रों को दूसरी मंजिल पर न जाने की सख्त हिदायत देते हुए 40-50 शब्दों में सूचना जारी करें। 5

उत्तर :

महाराजा विद्यालय

सूचना

दिनांक : 11 अगस्त, 2019

विद्यालय की दूसरी मंजिल पर निर्माण कार्य जारी है। सभी छात्रों को सख्त निर्देश दिए जाते हैं कि किसी भी वजह से दूसरी मंजिल पर न जाएँ। यदि कोई विद्यार्थी वहाँ पाया गया तो उसे दण्डित किया जाएगा।

धन्यवाद।

राजेश वर्मा
प्रधानाचार्य

अथवा

होली के अवसर पर आपकी सोसायटी 'लक्ष्मी' में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। सचिव होने के नाते 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें।

उत्तर :

लक्ष्मी सोसायटी

सूचना

हँसो–हँसाओ, होली का पर्व रंग–बिरंगा बनाओ

दिनांक : 02 मार्च, 2019

सोसायटी के सभी सदस्यों को जानकर खुशी होगी कि 05 मार्च सायं 5 बजे से 10 बजे तक सोसायटी हॉल में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। चाय–पानी की व्यवस्था भी है। अधिक–से–अधिक मात्रा में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ।

धन्यवाद।

नीलकमल शर्मा

सोसायटी सचिव

15. क्रिकेट मैच देखने जाने के इच्छुक एक युवक की अपने मित्र से बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों के संवादों के रूप में लिखिए। 5

उत्तर :

राकेश– राहुल, तुम्हें पता है 20 तारीख को कोलकाता व दिल्ली का मैच दिल्ली के कोटला स्टेडियम में होने वाला है। क्यों न हम मैच देखने चलें?

राहुल– हाँ, मन तो मेरा भी कर रहा है, लेकिन मैच खत्म होने में बहुत रात हो जाएगी। वैसे भी इतनी भीड़–भाड़ में मुझे तो घबराहट होती है। उससे अच्छा तो टी. वी. पर ही देख लो।

राकेश– अरे! रात हो जाएगी तो क्या? आराम से 'ऊबर कैब' करके आ जायेंगे और रही बात भीड़ की, तो उसी का तो मजा है। टी. वी. पर तो हमेशा ही देखते हैं, अपनी आँखों के सामने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते देखेंगे तो कितना मजा आएगा?

राहुल– ठीक है, मैं अपने पिताजी से पूछकर तुम्हें शाम तक बता दूँगा।

राकेश– ठीक है, तब तक मैं भी अपने घर पर बात कर लेता हूँ और बाकी दोस्तों से भी चलने के लिए पूछता हूँ।

अथवा

पौष्टिक भोजन का महत्त्व बताती हुई माँ की बेटे के साथ बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर :

यश– माँ, खाने में क्या है? जल्दी ले आओ, बहुत भूख लगी है।

माँ– आज मैंने मिली–जुली सब्जियाँ, राजमा और रायता बनाया है। हाथ धोकर आ जाओ।

यश– क्या माँ, तुम ये दाल–सब्जी खिला–खिलाकर बोर कर देती हो? आज कुछ बाहर से मँगवा लेते हैं।

माँ– बेटे, मैंने जितनी साफ–सफाई से यह पौष्टिक भोजन तैयार किया है, उसका मुकाबला बाहर का खाना कैसे कर पाएगा?

यश– हर समय पौष्टिक खाना? कभी तो स्वाद के अनुसार भी खाना चाहिए?

माँ– यह भोजन भी स्वादिष्ट है। इसमें अच्छा घी, मसाले व प्यार जो मिला हुआ है। बाहर के खाने में तीखे मसाले व तेल की भरमार होती है, जो बेहद नुकसान करता है। फिर भी यदि तुम्हें वही खाना है, तो तुम अपने लिए मँगवा लो।

यश– नहीं माँ, मुझे बीमार नहीं होना। मैं आपके हाथ का बना स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन ही खाऊँगा।

16. 'हस्त शिल्प केंद्र' के लिए 25–50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए जिसके माध्यम से ग्रामीण शिल्पकारों को आमंत्रित करना है। 5

उत्तर :

हस्त शिल्प केंद्र

हम सभी ग्रामीण शिल्पकारों को सादर आमंत्रित करते हैं।
शिल्प कला प्रदर्शनी का आयोजन– दिनांक 25 जून से 30 जून। स्थान– दिल्ली हाट, नई दिल्ली।
इच्छुक शिल्पकार अपनी शिल्प कला की तस्वीरें 10 मई तक भेज दें व कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 15 मई तक अपना नाम निश्चित कर लें।

अथवा

कपड़ों का नया ब्राण्ड 'मेडोना' बाजार में आया है। उसके लिए लगभग 25–50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

मेडोना ..... कपड़ों की दुनिया

फैशन के साथ चलना चाहते हैं?
वाजिब कीमत चाहते हैं?
तो आइए.....
आपकी ये सभी इच्छाएँ होंगी पूरी,
मेडोना और आप में क्यों है दूरी?

- रंग व कपड़े की गारण्टी चाहते हैं?
- खरीदारी पर विशेष छूट भी चाहते हैं?

सम्पर्क
दुकान नं. 275,
जनपथ मार्केट, दिल्ली
मो. नं.– 9928014360